GENERAL STUDIES (Test–10)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

DTVF/22 (J-A)–M–GSM (M-I)-2210

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: Sateesh kumar **Mobile Number:** _____

Medium (English/Hindi): _____ **Reg. Number:** _____

Center & Date: _____ **UPSC Roll No.** *(If allotted)*: _____

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:
इसमें बीस प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हैं।
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:
*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and **ENGLISH**.*
All the questions are compulsory.
The number of marks carried by a question is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.		11.	
2.		12.	
3.		13.	
4.		14.	
5.		15.	
6.		16.	
7.		17.	
8.		18.	
9.		19.	
10.		20.	
Grand Total (सकल योग)			

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

1. विधियाँ परिवर्तन की शक्तिशाली साधन सिद्ध हो सकती हैं। लेकिन जल्दबाजी में निर्मित विधियाँ मंशा अनुरूप कार्य नहीं करतीं और नेक मंशा से बनी विधियाँ अप्रभावी रही हैं। इस संबंध में संसद की प्रभावहीनता के कारण विधि निर्माण में व्याप्त कमियों की चर्चा कीजिये एवं सुदृढ़ विधि निर्माण प्रक्रिया के लिये उपाय सुझाइये। (150 शब्द) 10

Laws can be powerful instruments of change. But badly made ones do not work as intended and well-intentioned ones are ineffective. In this regard, discuss lacunae gripping the law-making due to ineffectiveness of Parliament and suggest measures for robust law-making process. (150 words) 10

Ans

विधि, जिनी संप्रभु सत्ता द्वारा निर्मित होते हैं, जो लोगों के व्यवहार/आचरण को निर्धारित करती है

परिवर्तन की कारक :-

(i) अपराधों में निवारक/
(ii) सा०-आ० परिवर्तन लाने में सहायक/
(iii) नैतिक व्यवहार को बढ़ाती है

जल्दबाजी में निर्मित विधियों के दुष्प्रभाव :-

(1.) पूर्णतः चर्चा के बिना सभीपक्षों पर ध्यान नहीं/
(2) सत्तावादी पक्ष की विचारधारा के अनुरूप

जल्दबाजी में निर्मित विधियों में एक महत्वपूर्ण कारक अप्रभावी संसद के रूप में देखने में सामने आता है/ इससे निम्न कमियाँ उत्पन्न होती हैं →

(i) विधियों पर पर्याप्त चर्चा न होने के

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कारण, उनके दोष-गुण पर कम गर्ता
सुधार की संभावना नहीं।
(ii) यह विधि निर्माण में समावेशित।
को भी कम करता है।
(iii) विधि के सभी पक्षों पर ध्यान नहीं होने के कारण व्यापकता की कमी।
(iv) संसद के कार्यपालिका नियंत्रण को कमजोर करती है।

उपाय → (i) सहकारिया आयोग की रिपोर्ट में अनुशंसा की गई है कि संसद के सदनों का कार्यावधि सुनिश्चित कर सकते हैं (LS → 120 दिन, RS → 100 दिन)
(ii) सत्ताधारी सरकार को अधिक जवाबदेहिता के साथ विधेयकों पर विस्तृत चर्चा के लिए संसदीय समितियों में भेजना (17वीं LS → only 16%, 15वीं LS → 73%)

अतः विधायिका, को अनुचित तरीकों से पास करके विधि निर्माण को संविधान का उल्लंघन मानाचाना चाहिए।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

2. न्यायाधीशों की नियुक्ति की प्रक्रिया एक स्वतंत्र न्यायपालिका के लिये अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। इस संबंध में कॉलेजियम प्रणाली का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिये। (150 शब्द) 10
The process for the appointment of judges lies at the heart of an independent judiciary. In this regard critically analyze the collegium system. (150 words) 10

A भारतीय लोकतंत्र, इस दृष्टि से अद्भुत है कि यहाँ न्यायधीशों की नियुक्ति, न्यायधीशों की ही अनुशंसा पर राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।

स्वतंत्र न्यायपालिका के लिए महत्व :-
(i) निष्पक्ष चुनाव → राजनीतिक पक्षपात को कम करते हैं।
(ii) इससे न्यायधीशों पर निर्णय लेते समय किसी भी पक्ष का दबाव नहीं होता है।
(iii) यह शक्ति के पृथक्करण के माध्यम से संघवाद को मजबूत करता है।
(iv) यह न्यायपालिका को राष्ट्रीय हितों पर निष्पक्ष निर्णय देने में सहायक है।

स्वतंत्र चुनाव के महत्व को देखते हुए,

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

3rd Judges Case के बाद न्यायधीशों के चुनाव के लिए कॉलेजियम प्रणाली को अपनाया गया।

+ve →

(1) यह कार्यपालिका के हस्तक्षेप से मुक्त है।

(2) गुणवत्तापूर्ण न्यायधीशों की नियुक्ति।

(3) न्यायपालिका की आवश्यकतानुरूप न्यायधीशों का चयन।

-ve →

(i) यह प्रक्रिया के स्तरपर पारदर्शिता एवं जवाबदेहिता के मुद्देपर असफल रही है।

(ii) सरकार द्वारा समयपर निर्णय नहीं लेना।

(iii) अभी भी HC में 37% पद खाली।

अत: कॉलेजियम व्यवस्था भी, पूरी तरह सफल नहीं रही है अत: आवश्यकता है कि न्यायपालिका एवं कार्यपालिका दोनों को NJAC पर संयुक्त चर्चा कर, एक समन्वित प्रक्रिया को निर्मित करने की आवश्यकता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

3. एक सुदृढ़ और स्वतंत्र रूप से संचालित नागरिक समाज की उपस्थिति सफल और स्थिर लोकतंत्र की पहचान है। इस संबंध में नए भारत के निर्माण में नागरिक समाज की भूमिका का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

The presence of a strong and freely operating civil society is the hallmark of successful and stable democracies. In this regard critically examine the role of Civil society in making of new India. (150 words) 10

नागरिक समाज, ये स्वैच्छिक आधार पर सामूहिक हितों के पूर्ति के लिए लोगों द्वारा स्थापित समूह है यथा: → SEWA, Naz foundation आदि।

सफल व स्थिर लोकतंत्र :→

(i) सहभागिता → ये लोगों की सरकारी निर्णयों में भागीदारी सुनिश्चित करते हैं। यथा → Observer Reasearch found.

(ii) न्यायिक सुधार → ADR, PUCL आदि।

(iii) महिला सशक्तिकरण → SEWA आदि।

(iv) अधिकारों का संरक्षण → ये संगठन वंचित वर्गों के अधिकारों के संरक्षण में सहायक रहे हैं। यथा - Naz foundation एवं "हमसफर" जैसे संगठन

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Transgender अधिकारों के लिए प्रयासरत हैं।

इसके अलावा, कई नागरिक संगठन बच्चों के अधिकारों, RTI & Social Audit के प्रति लोगों में जागरूकता उत्पन्न करने का प्रयास कर रहे हैं। जिससे न केवल लोगों को अधिकारों को प्राप्त करने में सुलभता हुई है साथ ही वे जागरूक हुए हैं।

परन्तु कुछ मामलों में NGO के व्यवहार से मुद्दे उत्पन्न किए हैं →

1. विकास में बाधा → 'Green Peace' के द्वारा कुंडनकुलम परियोजना ऊर्जा संयंत्र पर विरोध प्रदर्शन।
2. विदेशी कंपनियों का हित संवर्द्धन → Medinda & Gates foundation → अमेरिकी कंपनियों का
3. फंड का दुरुपयोग।

अतः आवश्यकता है कि NGO को पारदर्शिता के साथ काम करने की।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

4. भारत की G20 अध्यक्षता की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि भारत कितनी कुशलता से G20 में मौजूद अंतर को समाप्त करने के लिये रास्ते एवं साधन खोज सकता है और इसे साझा हित के मंच में रूपांतरित कर सकता है। टिप्पणी कीजिये। (150 शब्द) 10

The success of India's G20 Presidency will depend on how deftly India can find paths and instruments to bridge the divides plaguing the G20 and turn it into a platform of shared interest. Comment. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

A भारत, 2023 में होने वाली G20 की बैठक की मेजबानी करेगा। साथ ही यह अध्यक्ष के रूप में भी अपनी भूमिका निभायेगा। अतः इसको अध्यक्षता का उपयोग विभिन्न परस्पर विरोधी हितों को संतुलित करने की आवश्यकता है →

(i) WTO में Subsidy का मुद्दा।
यथा → कृषि एवं मत्स्यन।
(ii) पर्यावरण पर विकसित देशों की अधिक जिम्मेदारी।
(iii) 'Global Commons' के संदर्भ में समन्वित एवं जिम्मेदारी पूर्ण भागीदारी के लिए प्रयास।
(iv) आतंकवाद एवं प्रवासियों के मुद्दे पर एकता।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उपर्युक्त सभी मुद्दों के साथ-साथ

वर्तमान में कर अपवंचन, विनिमयदर स्पष्टीकरण जैसे कुछ मुद्दों पर वार्ता को सार्थक बनाने की आवश्यकता है। अतः भारत को निम्न प्रकार से अपने हितों को बढ़ाने पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिये → (i) समान हितों वाले विकासशील देशों के साथ मिलकर, अन्य देशों पर दबाव डालना।

(2) भारत को एजेंडे का निर्धारण करते समय मुद्दे का निर्धारण करते समय अपनी विश्व-शक्ति के इमेज का ध्यान रखना।

(3) इसके अलावा, भारत को निष्कर्ष तक पहुँचने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने की आवश्यकता है।

इस प्रकार की रणनीति का उपयोग, भारत को G20 का पूर्ण उपयोग करने में सक्षम बना पायेगा।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

5. डेटा संरक्षण कानून में राज्य की निगरानी शक्ति के साथ-साथ व्यक्तिगत गोपनीयता को स्पष्ट करना चाहिये। चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Data protection law should spell out individual privacy along with state surveillance power. Discuss. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

हाल ही में, सरकार ने डेटा संरक्षण विधेयक, 2019 को संसदीय समिति की सिफारिशों के बाद वापिस ले लिया है।

यह कानून भारत में अनुच्छेद-21 के तहत निजता के अधिकार को संरक्षित करने एवं डेटा सुरक्षा के संबंधित मुद्दों पर ध्यान डालने के लिए जारी किया गया था।

परन्तु, इस कानून में राज्य की निगरानी की शक्तियों के मामले एवं व्यक्तिगत पारदर्शिता को लेकर अत्यधिक अस्पष्टता रखी गई थी। सरकार को निगरानी के अत्यधिक अधिकारों के साथ जवाबदेहिता भी नहीं थी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अतः इन पर स्पष्टता की आवश्यकता

1. सरकार के अनुचित हस्तक्षेप से विपक्षी दलों के सदस्यों एवं नागरिकों को सुरक्षित करने के लिए।
2. निजता के अधिकार, Art-21 के तहत को संरक्षित करने के लिए।
3. राजनीतिक ब्लैकमेलिंग की समाप्ति।
4. व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा व गोपनीयता बनाए रखने के लिए।
5. गोपनीय जानकारी के दुरुपयोग को कम करने के लिए।

अतः, सरकार को नए कानूनी विधेयक में स्थायी समिति की रिपोर्ट की अनुशंसा पर अधिक स्पष्टता के साथ विश्वस्तर पर सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने की आवश्यकता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

6. दल-बदल विरोधी कानून गैर-सैद्धांतिक दल-बदल द्वारा लोकतंत्र के क्षरण के विरुद्ध सुरक्षा के लिये लाया गया था, हालाँकि यह अपने उद्देश्य को प्राप्त करने में विफल रहा है। समालोचनात्मक परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

Anti-defection law was brought to protect against the subversion of democracy by unprincipled defection, however, it has failed to achieve its objective. Critically Examine. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

दल बदल कानून, संविधान की 10वीं अनुसूची के तहत 52वें CA के द्वारा जोड़ा गया था। ताकि गैर-सैद्धान्तिक दल-बदल को रोका जा सके।

1993 के संशोधन के माध्यम से, दल-विघटन के प्रावधान को भी हटा दिया गया।

ऐसा देखा गया है कि दल-बदल ने कुछ मामलों में विधायकों/सांसदों के द्वारा पद छिनने के कारण, उन्हें ऐसा करने से रोका है तथा सरकारों की स्थिरता को सुनिश्चित किया है एवं राजनीतिक दलों को स्वतंत्र रूप से कार्य करने में सहायक बनाया

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

है।

परन्तु इसके क्रियान्वयन में कई कमियाँ देखी जा रही है।

(i) इसमें वर्तमान में अध्यक्ष की भूमिका पर सवाल उठाए गए है ① निर्णय लेने की समय-सीमा न होना ② राजनीतिक पक्षपात।

(ii) दल के विलय जैसे कुछ प्रावधानों ने छोटे स्तर पर राजनेताओं के दल-बदल को संभव बनाया है।

(iii) दल के निष्कासन के बाद विधायिका का सदस्य बने रहना।

(iv) इस कानून के बाद भी कई राज्यों में हाल ही में सरकार बदलने के लिए अनुचित तरीकों के प्रयोग ने इस पर सवाल उठाए है।

अतः आवश्यकता है कि ⇒ (i) फैसला राष्ट्रपति द्वारा ECI की सलाह पर
(ii) विलय के प्रावधान की समाप्ति आदि।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

7. स्वच्छ भारत अभियान का व्यापक स्तर और दायरा इसे विश्व के सबसे बड़े स्वच्छता अभियानों में से एक बनाता है। इस संबंध में स्वच्छ भारत मिशन की सफलता का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिये। (150 शब्द) 10

The sheer scale and scope of the Swachh Bharat Abhiyan makes it one of the largest cleanliness drives in the world. In this regard, critically evaluate the success of Swachh Bharat mission. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

स्वच्छ भारत मिशन, वर्ष 2014 में प्रारंभ किया गया विश्व के सबसे बड़े स्वच्छता अभियानों में से एक था। इसके तहत 2 अक्टूबर, 2019 तक भारत को 'स्वच्छ भारत' के रूप में परिवर्तित करने के लिए व्यवहार परिवर्तन पर बल दिया गया था।

सफलता :-

(i) जागरूकता अभियानों के कारण लोगों में जागरूकता बढ़ी है।

(ii) "Open defection Free" Status के लिए प्रतिस्पर्धा ने शहरों पर ही नहीं, ग्रामीण स्तर पर लोगों को घरों में निर्मित शौचालयों के प्रयोग के लिए प्रेरित किया है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

3. इसके तहत, सरकारी सहायता से व्यापक स्तर पर व्यक्तिगत एवं सामुदायिक शौचालयों का निर्माण किया गया।

असफलता :-

(1) यह लोगों के व्यवहार को पूर्णतः परिवर्तित करने में सफल नहीं हो सका।
- सूखे शौचालयों में सफाई का अभाव
- व्यक्तिगत शौचालयों का उपयोग नहीं।

(2) इसके तहत बने शौचालयों का अन्य कार्यों के रूप में उपयोग।

(3) कच्ची बस्तियों में शौचालयों का अभाव।

(4) शौचालय के साथ पानी की व्यवस्था का अभाव।

अतः आवश्यकता है कि सूखे शौचालयों को समाप्त किया जाये एवं लोगों को शौचालयों के उपयोग के लिए प्रेरित किया जाये।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

8. भारत-नेपाल ने 75 वर्ष पहले आधिकारिक राजनयिक संबंधों की शुरुआत के बाद से बहुआयामी और गहन संबंध साझा किये हैं। लेकिन इस संबंध में कई अंतर्विरोध भी देखने को मिले हैं। परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

India-Nepal has shared multidimensional and dense relations since the beginning of official diplomatic relations 75 years ago. Yet the relationship is marked by several contradictions. Examine. (150 words) 10

उम्मीदवार को इ हाशिये में नहीं चाहिये।
(Candidate mus write on this m

भारत के उत्तरी हिमालयी राज्य नेपाल के साथ रिश्ते हमेशा आर्थिक के साथ सांस्कृतिक, लोगों से लोगों के संपर्क, खुली सीमा, गोरखाओं की भारतीय सेना में भर्ती आदि कई आयामों पर आधारित रहे हैं।

संबंध :-

(i) भारत, नेपाल का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है।

(ii) साथ ही भारत ने नेपाल को विकासात्मक सहायता भी समय-2 पर उपलब्ध कराई है। इसके अलावा, 2015 के भूकंप एवं वैक्सीन मैत्री के तहत अतिरिक्त मानवीय सहायताएं

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(iii) भारत नेपाल में हमेशा से एक प्रमुख निवेशक रहा है इसने यहाँ जल विद्युत परियोजनाओं में व्यापक निवेश किया है

(iv) भारतीय सेनाओं में नेपाली नागरिकों की भर्ती के साथ-2 भारत समय-समय पर नेपाल के साथ सैनिक अभ्यास में संलग्न रहा है

परन्तु, वर्तमान में कुछ अंतर्विरोध रहे हैं →

(1) नेपाल की भारत के संदर्भ में 'Big brother' वाली इमेज।

(2) चीन का नेपाल में बढ़ता प्रभाव → Railway line का निर्माण।

(3) नेपाल संविधान के निर्माण में मधेसियों को पर्याप्त भागीदारी न होने को लेकर चिंता

(4) विकासात्मक परियोजनाओं में देरी।

अतः इसके कारण नेपाल के साथ रिश्तों को सुधारने की आवश्यकता है एवं भारत - नेपाल - बांग्लादेश त्रिपक्षीय हाइवे का अतिशीघ्र क्रियान्वयन।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

9. चीन अपने वैश्विक विस्तारवाद के एक भाग के रूप में दक्षिण एशिया में भारत के हितों को कमज़ोर कर रहा है। इस संदर्भ में चीन के प्रति-आधिपत्य और वृहत् क्षेत्रीय स्थिरता के लिये एक कदम के रूप में सार्क को पुनः सशक्त करने की आवश्यकता पर चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

China as part of its global expansionism, is chipping away at India's interests in South Asia. In this regard discuss the need to reinvigorate SAARC as a step to counter-hegemonic China and for greater regional stability. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

A चीन अपनी 'String of Pearls' की नीति, BRI एवं 'debt-trap diplomacy' के माध्यम से दक्षिण एशिया में भारत के हितों को प्रभावित कर रहा है। यथा → (i) Pakistan में CPEC के निर्माण से संप्रभुता को खतरा।

(ii) Srilanka में हंबनटोटा के अधिकार से भारत की IOR में समग्र सुरक्षा प्रदाता की भूमिका की कमी।

(iii) "Two-front War" की संभावना को नकारा नहीं जा सकता है

(iv) हिन्द महासागर में शस्त्रीकरण को बढ़ावा, व महाशक्तियों का जमावड़ा, इसे संघर्ष के क्षेत्र के रूप में।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अतः दक्षिण एशिया में चीन के प्रभाव को कम करने एवं देशों में सामूहिक हितों के मुद्दे पर वार्ता के लिए SAARC के पुनः गठन की चर्चा हो रही है

निम्न प्रकार से फायदेमंद

(1) यह देशों को परस्पर हितों के प्रति संवेदनशील बनायेगा। एवं संप्रभुता को सुरक्षित कर सकेगा।

(2) यह वार्ता के मंच के रूप में विवादों के समाधान एवं वार्ता के माध्यम से विश्वास बहाली को बढ़ायेगा।

(3) यह TAPI, BBIN etc. को क्रियान्वयन में सहायक।

(4.) यह देशों को भारत की "Neighbhood first" Policy के प्रति अधिक जागरूकता उत्पन्न करेगा।

अतः सार्क लाभदायक हो सकता है, बशर्ते यह संकीर्ण मुद्दों से एवं परस्पर विपरीत हितों से संबंधित मुद्दों से निपटने में सक्षम हो सके।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

10. क्या आपको लगता है कि दूसरे राज्य पुनर्गठन आयोग (SRC) का समय आ गया है जो कई छोटे राज्यों के सृजन के साथ भारत के संघीय मानचित्र का पुनर्निर्माण कर सकता है? समालोचनात्मक परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

Do you think that the time has come for a second States Reorganization Commission (SRC) that can redraw India's federal map, creating many smaller states? Critically Examine. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

राज्य पुनर्गठन आयोग का गठन 1953 में किया गया था। जिसकी सिफारिशों के आधार पर 1956 में 14 राज्यों एवं 6 केन्द्रशासित प्रदेशों का गठन किया गया था।

तब से लेकर अब तक कई राज्यों का गठन विभिन्न आधारों पर किया गया है तथा वर्तमान में कुल राज्यों की संख्या 28 हो गई है परंतु फिर भी कई राज्यों में यथा → "Greater Nagaland" की मांग, विदर्भ, मराठवाड़ा, पूर्वांचल आदि नए राज्यों के उदय की मांग लगातार उठती रहती है तथा कभी-2 ये व्यापक स्तर पर विरोध प्रदर्शनों के साथ अलगाववाद की भावना को भी

Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

बढ़ाता है।

इसी संदर्भ में द्वितीय राज्यपुनर्गठन आयोग की सिफारिश की जा रही है।

- यह विभिन्न राज्यों की मांगों का वस्तुनिष्ठ मानदंडों पर निर्धारण कर सकेगा।
- विरोध प्रदर्शनों की कमी, अलगाववाद की भावना बढ़ना।
- सभी वर्गों को उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित होना।

परन्तु नए राज्यों के गठन से भारत की एकता एवं अखंडता की रक्षा के साथ क्षेत्रवाद एवं अलगाववाद की भावना के बढ़ने की संभावना है अतः नए राज्यों के गठन से पूर्व एक सुनिश्चित किया जाना चाहिये कि क्या यह व्यापक हितों की पूर्ति करेगा तथा राजनीतिक आधार पर नहीं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

11. "सहकारी संस्थाएँ देश के विकास में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं लेकिन शायद ही कभी नीति नियोजन के केंद्र बिंदु में होती हैं।" इस कथन के आलोक में सहकारी संस्थाओं के समक्ष विद्यमान विभिन्न समस्याओं और सहकारिता क्षेत्र के प्रबंधन के लिये एक नए केंद्रीय मंत्रालय के निर्माण के औचित्य पर चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 15

"Cooperatives play a vital role in the country's development but are seldom the focus of policy planning". In light of this statement discuss the various issues faced by Cooperatives and the rationale for the creation of a new Union Ministry to oversee the cooperatives sector. (250 words) 15

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं चाहिये।
(Candidate m write on this

Ans. सहकारी संस्थाओं को 97वें संविधान संशोधन के माध्यम से संवैधानिक दर्जा प्रदान किया है परन्तु इनकी भूमिका अभी भी उतनी प्रभावी नहीं है तथा ये कुछ राज्यों यथा- गुजरात, आंध्रप्रदेश में अधिक प्रभावी रही है।

इसी संदर्भ में हाल ही में, इनके महत्व को देखते हुए एक नए सहकारिता मंत्रालय का गठन किया गया है। यह मंत्रालय मुख्य रूप से सहकारिता के गठन, विकास, गतिविधियों को विनियमित कर इनके विकास को

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

प्रोत्साहित करेगा।/

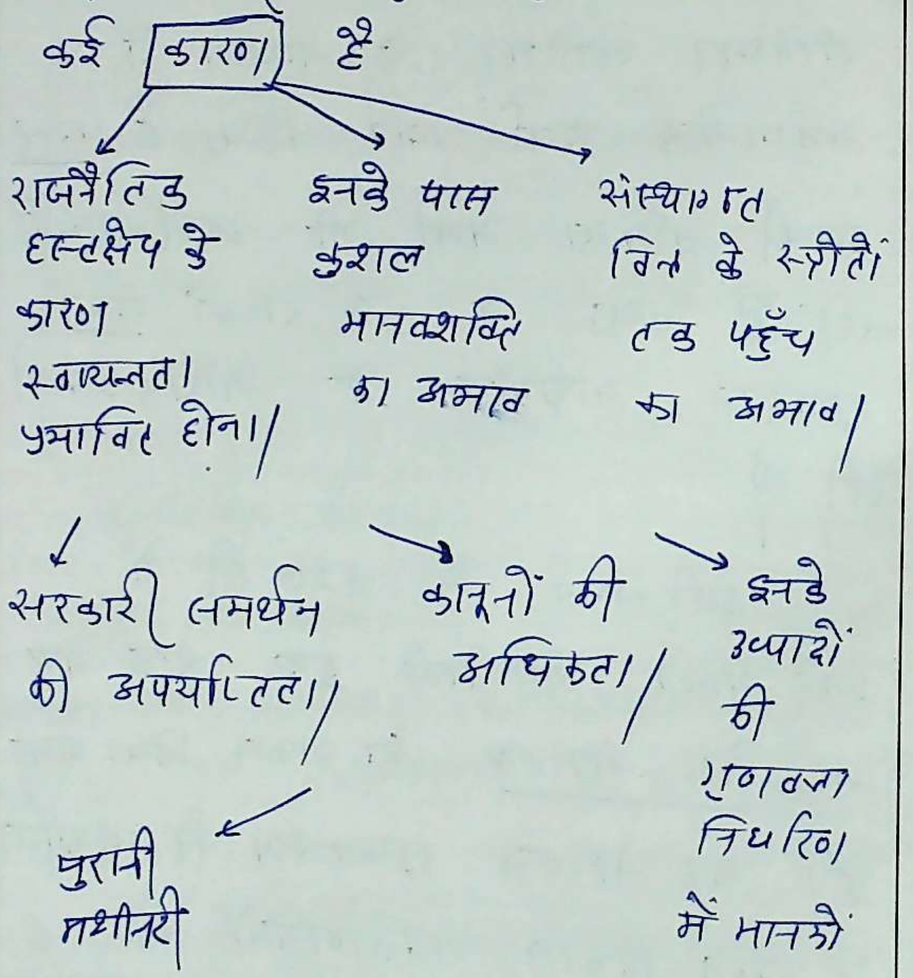

अमूल जैसी कुछ सहकारिता समितियों के अलावा इनकी भूमिका उतनी प्रभावी नहीं रही है इसके कई कारण हैं

- राजनैतिक हस्तक्षेप के कारण स्वायत्तता प्रभावित होना।/
- इनके पास कुशल मानवशक्ति का अभाव
- संस्थागत वित्त के स्रोतों तक पहुँच का अभाव/
- सरकारी समर्थन की अपर्याप्तता।/
- कानूनों की अधिकता।/
- इनके उत्पादों की गुणवत्ता निर्धारण में मानकों का अभाव/
- पुरानी मशीनरी

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अतः ये समस्याएँ इनके कार्य संचालन को प्रभावित करती हैं/

अतः सहकारी मंत्रालय निम्न प्रकार सहायक है-

(1) नीति निर्माण में इनकी भागीदारी सुनिश्चित करना।/

(2) इन्हें वित्त के स्रोतों तक पहुँच एवं कुशल मानवशक्ति की प्राप्ति में सहायक/

(3) यह राजनैतिक हस्तक्षेप को कम करने में सहायक होगा।/

(4) इनके विकास में क्षेत्रीय असमानता के मुद्दों को हल कर सकेगा।/

इस प्रकार, आवश्यकता है कि यह निष्पक्ष तरीके से कार्य कर, इनके विकास को बढ़ायें/ ताकि अनुच्छेद-19(1)(c) तथा 43A के उद्देश्यों को प्राप्त किया जा सके/

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

12. "पंचायत की आवाज लोगों की आवाज है" और 73वाँ संविधान संशोधन अधिनियम यह सुनिश्चित करने के लिये सही दिशा में बढ़ाया गया कदम था कि लोगों की आवाज स्पष्ट रूप से सुनी जाए। हालाँकि इस अधिनियम के लागू होने के तीन दशक से अधिक समय के बाद भी पंचायत की आवाज में दृढ़ता की कमी है। टिप्पणी कीजिये। (250 शब्द) 15

"The voice of the Panchayat is the voice of the people" and the 73rd constitutional amendment act was a step in the right direction to ensure that the voices of the people are heard loud and clear. However, even after more than three decades of the enforcement of this act, panchayat's voice lacks strength. Comment. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

A

लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण की प्रक्रिया के वृहद लोकतंत्र को लोगों के निकट लाने के लिए 73वें संवैधानिक संशोधन के माध्यम से पंचायतों की स्थापना की गई थी।

लोगों की आवाज

(i) ग्राम पंचायत विकास योजना के माध्यम से नीति निर्माण में 'bottom to top" प्रक्रिया के माध्यम से नीति को लोगों की मांगों के अनुरूप बनाया गया।

(ii) ग्राम सभा के माध्यम से Social Audit एवं GSDP की

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

समीक्षा के माध्यम से लोगों की भागीदारी बढ़ाकर लोगों को जागरूक एवं सशक्त बनाया है

(iii) इसने 33% आरक्षण एवं अन्य जाति आधारित आरक्षणों के माध्यम से चुनावों मे सभी को समावेशिता दे यह महिलाओं एवं वंचित वर्गों के लिए कार्य करने में सक्षम।

(iv) चुनावों के माध्यम से राजनैतिक जागरूकता को बढ़ावा।

परंतु वर्तमान में पंचायतें लोगों की आवाज दृढ़ता से नहीं बन पाई है इसके कई कारण है:

ग्राम सभा की निष्क्रियता
→ अनुपस्थिति
→ Social Audit के आंकड़ों की कमी एवं क्षमता का अभाव
→ जागरूकता की कमी।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

चुनाव प्रक्रिया → निम्न जातियों में भी धन-बल के आधार पर चुनाव जीतना।

→ 'सरपंच-पति' के प्रचलन से महिलाओं की कम भागीदारी।

संचालन के स्तर पर
→ भ्रष्टाचार
→ वित्तीय स्रोतों की कमी (केवल 4% स्वयं राजस्व)
→ कुशल कार्मिक का अभाव
→ कार्यों के स्थानांतरण में राज्यों की अनिच्छा।

अतः पंचायतों को वास्तव में लोगों की आवाज बनाने के लिए इनको अधिक वित्त के साथ, कार्यों का स्थानांतरण हो साथ ही ग्राम सभा को मजबूत किया जाये ताकि महात्मा गांधी के सपनों का भारत बन सके।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

13. वर्षों से चुनावों के आयोजन और परिणामों की उनकी निष्पक्षता के लिये सराहना की गई है, हालाँकि चुनावी प्रणाली में कुछ कमियाँ भी सामने आई हैं। इस संबंध में देश में चुनाव सुधारों की आवश्यकता पर चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 15

While conduct and outcome of elections over the years have been appreciated for fairness, some shortcomings have also emerged in the electoral system. In this regard discuss the need for electoral reforms in the country. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत में लोकतंत्र की सफलता का एक बड़ा कारण चुनावों के आयोजनों एवं परिणामों की निष्पक्षता को माना जाता है तथा इसमें निर्वाचन आयोग द्वारा समय-समय पर लिए गए निर्णयों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

परन्तु वर्तमान में हमारी चुनाव प्रणाली कई मुद्दों के कारण गंभीर संकट का सामना कर रही है

(i) चुनावों में बढ़ता धन का प्रयोग → प्रति चुनाव लगभग 100 Cr. (प्रति प्रत्याशी)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(ii) अपराधीकरण का बढ़ना।
↳ ADR की Report के अनुसार लगभग 29% सांसदों पर गंभीर अपराधों के मामले (17 वीं Lok में)

(iii) उच्च नैतिकता वाले लोगों का राजनीति से मोह भंग।

(iv) आचार संहिता का उल्लंघन → Hatespeech, fake news, जाति-धर्म के पैसों के बल पर आधार पर Vote और खरीदना। मांगना।

(v) कई दलों के द्वारा EVMs पर सवाल उठाना।

इस तरह से कई मुद्दों ने चुनाव के निष्पक्ष संचालन में बाधा उत्पन्न की है एवं राजनीति को गुंडों, अमीरों एवं परिवारवाद

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

का अड्डा बना दिया है अतः आवश्यकता है निम्न चुनाव सुधारों की
↳ "Opinion poll" को प्रतिबंधित करना
↳ सांसदों के मामलों में Fast track Court की स्थापना।
↳ दिनेश गोस्वामी समिति के अनुरूप राज्य वित्तपोषण पर विचार
↳ Election bond Scheme के कारण crony capatalism को बढ़ावा → पारदर्शिता की आवश्यकता। (74% चंदा → one party को)
↳ EVMs के सुरक्षा के प्रति लोगों को आश्वस्त किया जाना चाहिये।
ये उपायों के माध्यम से चुनावों को सच्चे लोकतंत्र का माध्यम बनाया जा सकेगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

14. 'नेबरहुड फर्स्ट' नीति का रणनीतिक महत्त्व व्यापक क्षेत्र में विकास को आकार देने की भारत की क्षमता का एक महत्त्वपूर्ण कारक बना रहेगा। परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 15

The strategic significance of the neighborhood-first policy will remain a key factor in India's ability to shape developments in the wider region. Examine. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

"Neighbourhood first" की नीति भारत ने अपने पड़ौसी देशों के प्रति अपनी जिम्मेदारियों, भागेदारियों को बढ़ाकर सामूहिक हितों के मुद्दों पर समन्वयन के माध्यम से समग्रता में विकास को बढ़ाना है।

भारत की नेपाल एवं अफगानिस्तान को भूकंप के समय सहायता, मालदीव जलसंकट के समय तत्परता से सहायता, हाल ही श्रीलंका को वित्तीय संकट के समय सहायता, सार्क सेटेलाइट, 'प्रोजेक्ट मौसम' आदि के माध्यम से भारत द्वारा अपने पड़ौसियों को

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

अत्यधिक महत्व दिया गया है

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इसका महत्व :-

(i) यह चीन के बढ़ते प्रभाव को प्रतिसंतुलित करने में सहायक हो सकेगा।

(ii) यह देशों के मध्य व्यापार को बढ़ावा देने में सहायक होगा यथा- सार्क FTA, India-Bangladesh-Nepal bilateral highway, कालादान मल्टीमॉडल आदि के माध्यम से।

(iii) आपदा एवं अन्य विपत्तियों में सहयोग एवं सहायता।

(iv) पर्यटन के विकास एवं people to people contact के माध्यम से विश्वास बहाली।

(v) ये देश भारत की UNSC में

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

सवेधारी के लिए महत्वपूर्ण है

अतः पड़ोसियों की भूमिका को देखते हुए भारत को नेपाल (संविधान), बांग्लादेश (नदीजल बंटवारा) आदि से संबंधित विवादों पर शीघ्र हल के लिए प्रयास करना चाहिये/ साथ ही SAARC के साथ-साथ बिम्सटेक को बढ़ावा दिया जाना चाहिये/

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

15. भारत के राष्ट्रपति की संवैधानिक स्थिति पर चर्चा कीजिये और भारत के राष्ट्रपति के निर्वाचन की प्रक्रिया की व्याख्या कीजिये। (250 शब्द) 15

Discuss the constitutional position and explain the process of election of the President of India. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

राष्ट्रपति को भारत में कार्यकारी प्रमुख के रूप में अनुच्छेद-52 के तहत मान्यता दी गई है/ तथा केन्द्र सरकार के सभी कार्य राष्ट्रपति की अनुमति से ही किए जाते हैं (नाम से)

परंतु Art-74 के तहत (संसदीय सरकार के कारण) एक मंत्रिपरिषद की सलाह पर राष्ट्रपति को कार्य करने को अनिवार्य बनाया गया है

अतः भारतीय संविधान में राष्ट्रपति की स्थिति, एक कार्यपालिका प्रमुख के रूप में है परन्तु शक्तियों का

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

वास्तविक प्रयोग प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली मंत्रिपरिषद करती है।

निर्वाचन की प्रक्रिया

- एक निर्वाचक मंडल द्वारा एकल संक्रमणीय मत प्रणाली के आधार पर।
  - यह विधानसभाओं के निर्वाचित सदस्यों + संसद के निर्वाचित सदस्यों से मिलकर बनता है।

इसमें राज्यों की विधायकों एवं संसद के मतों का मूल्य भिन्न-भिन्न होता है तथा राज्यों के मध्य

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

समानता स्थापित की जाती है।

- निर्वाचक मंडल के सभी सदस्यों द्वारा उम्मीदवारों को वरीयता के आधार पर वोट दिया जाता है।
- ✓ जो उम्मीदवार 50% से अधिक 1st preferences के वोट प्राप्त कर लेता है वह विजेयी घोषित किया जाता है।

यह प्रक्रिया इस आधार पर आलोचना की जाती है कि एक व्यक्ति के निर्वाचन प्रक्रिया में इससे अधिक समय व धन भी खर्च होती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

16. सीमा पार जल विवाद भारत और उसके पड़ोसी देशों के बीच हमेशा से विवाद का एक विषय रहा है। भारत में सीमा पार नदी प्रबंधन से संबद्ध मुद्दों की चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 15

Transboundary water disputes have always been a bone of contention between India and its neighboring countries. Discuss the issues associated with Transboundary River management in India. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Ans: भारत अपने पड़ौसियों के साथ सैंकड़ों नदियों का जल साझा करता है। इनमें चीन, पाकिस्तान, बांग्लादेश के साथ भारत एवं पड़ौसियों के साथ नदी जल को लेकर विवाद देखने को मिलते है।

यथा → पाकिस्तान के साथ सिंधु नदी जल समझौते पर विवाद।
तुलबुल, किशनगंगा आदि पर पाकिस्तान द्वारा आपत्ति।

→ चीन के द्वारा ब्रह्मपुत्र आदि नदियों के जल का स्थानांतरण एवं बांध बनाने पर विवाद।

→ बांग्लादेश के साथ तिस्ता नदी के जल बंटवारे को लेकर

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

विवाद।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उपर्युक्त विवादों को देखते हुए नदी प्रबंधन में कई मुद्दे देखे जाते है

(i) नदी जल पर वस्तुनिष्ठ आंकड़ों का अभाव एवं साझा करने के लिए व्यवस्थित तंत्र का अभाव।

(ii) भारत-पाक एवं चीन के मध्य सीमा विवादों ने नदी प्रबंधन के मुद्दों पर विश्वास बहाली का अभाव।

(iii) नदियों के युवावस्था में मार्गपरिवर्तन के कारण सीमाओं में परिवर्तन।

(iv) गर्मियों के समय बाढ़ की बारंबारता एवं सर्दियों के समय, पानी की कमी की समस्या भी हिमालयी देशों के बीच विवाद का कारण य

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अतः बेहतर जल प्रबंधन लगभग सभी देशों के हित में है तथा इसके माध्यम से हाल ही में आई असम बाढ़ एवं पाकिस्तान की बाढ़ जैसी भीषण परिस्थितियों का बेहतर प्रबंधन संभव हो सकेगा। यह क्षेत्र के विकास में सहायक होगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

17. संघर्षी संघवाद उस संविधान के लिये अभिशाप है जो केंद्र और राज्यों के बीच सहयोग और सहकारिता की इच्छा रखता है। चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 15

Combative federalism is anathema to the Constitution which prescribes cooperation and collaboration between the Centre and the States. Discuss. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

संघर्षी संघवाद, उस व्यवस्था को संदर्भित करता है जिसमें राज्यों एवं केन्द्र के मध्य विभिन्न मुद्दों पर विवाद हो तथा यह लोगों के व्यापक हितों को नकारात्मक रूप से प्रभावित करता है। क्योंकि :-

(i) यह समग्रता में निर्णय लेने की क्षमता को कम करता है।

(ii) सहयोग की भावना को कम करता है।

(iii) इससे राजनीतिक हितों को बढ़ावा देने के लिए इस्तेमाल।

इस प्रकार के कई मुद्दे वर्तमान में संघर्षी संघवाद को बढ़ा रहे हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

जैसे :- (i) राज्यपाल का चयन।
(ii) दल-बदल कानूनों का दुरुपयोग
(iii) NEET का मुद्दा (iv) GST
आदि ने राज्यों को केन्द्रीय शासन के प्रति पूर्वाग्रही बना दिया है। यह मुद्दा ऐसे राज्यों में अधिक है जहाँ विपक्षी दल की सरकार है।

यह हमारे संविधान के तहत केन्द्र-राज्य संबंधों वाले अध्याय में निहित सहयोग एवं सहकारिता की भावना के विरुद्ध है। इसके लिए आवश्यक है कि →
(i) केन्द्र द्वारा राज्यों की चिंताओं पर ध्यान देकर निर्णय लेना।
(ii) संघवाद के मुद्दों के लिए अन्तर्राज्यीय परिषद का गठन।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(iii) सरकारिया एवं पूँछी आयोग की अनुशंसाओं के अनुसार संबंधों का प्रबंधन।

अतः सहकारी संघवाद की महत्ता को देखते हुए शीघ्रातिशीघ्र राज्यों के मुद्दों का समाधान किया जाना चाहिये।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

18. देश में कारागार प्रशासन के समक्ष विद्यमान संकटकारी मुद्दों पर चिंतन करने की आवश्यकता है। परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 15

There is a need to reflect upon the issues plaguing the prison administration in the country. Examine. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

कारागार प्रशासन से तात्पर्य हमारे जेलों के प्रबंधन से है। कारागार प्रशासन से संबंधित मुद्दे हमारे देश में सर्वाधिक नजरअंदाज किए जाने वाले रहे हैं तथा सरकार द्वारा इनके विकास के लिए शायद ही प्रयास देखने को मिलते हैं।

इसका एक बड़ा कारण कारागार में बंद लोगों की राजनीतिक प्रक्रिया में भागीदारी न होना है।

अतः कई मुद्दे उभरे हैं →

(i) अति-जनसंख्या → वर्तमान में भारत में जेलें अत्यधिक कैदियों को संभाल रही हैं → (क्षमता → 4.18 Lakh
कैदी → 4.87 Lakh

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(ii) लम्बित कैदियों का उच्च प्रतिशत (लगभग -67%) एवं उनका अपराधियों से विभाजन की समुचित व्यवस्था न होना।

(iii) डिजिटलीकरण का अभाव / कर्मचारियों का अभाव (50% खाली)

(iv) सुविधाओं का अभाव।

(v) जेलों में अपराधों की संख्या का बढ़ना (प्रतिवर्ष 100 हत्याएं)

(vi) महिला कैदियों एवं उनके बच्चों के लिए पर्याप्त अवसंरचना का अभाव।

इस प्रकार जेलों के लिए आवश्यकता है कि रिक्तियों को भरा जाए एवं

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सरकार को समुचित नीति का निर्माण कर, बेहतर सुविधाओं की व्यवस्था के साथ डिजीटलीकरण को बढ़ावा दिया जाये।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

19. शंघाई सहयोग संगठन (SCO) के संगठनात्मक ढाँचे की व्याख्या कीजिये और चर्चा करिये कि SCO की सदस्यता भारत के लिये कैसे प्रासंगिक है? (250 शब्द) 15

Explain the organizational structure of Shanghai Cooperation Organization (SCO) and discuss how SCO's membership is relevant to India? (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

SCO, एशिया एवं यूरोप के देशों का एक व्यावसायिक, सामरिक हितों को बढ़ावा देने वाला संगठन है। इसमें भारत सहित रूस, चीन, पाकिस्तान एवं मध्य एशिया के देश शामिल है।

SCO का मंत्रिस्तरीय सम्मेलन जो वार्षिक आधार पर आयोजित होता है, वह प्रमुख निर्णय-निर्णायक संगठन है।

इसने एक आतंकवाद से निपटने के लिए RATS नामक संरचना का निर्माण किया है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अतः भारत को चीन एवं पाकिस्तान की भागीदारी को संतुलित करने के लिए मध्य एशियाई देशों एवं रूस के साथ अपने संबंधों का

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उपयोग करना चाहिये तथा SCO का उपयोग चीन के अनियंत्रित प्रसार व हितों के संवर्द्धन में किया जा सकता है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

20. न्यायपालिका पर वादों/मामलों के भार को कम करने के लिये ट्रिब्यूनल्स की स्थापना की गई है, लेकिन इसने न्याय प्रणाली में कई चुनौतियों को जन्म दिया है। समालोचनात्मक चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 15

Tribunals are established to reduce the case load of the judiciary but it has given rise to multiple challenges in justice system. Critically discuss. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Ans.

वर्तमान में न्यायपालिका में लंबित मामलों की संख्या लगभग 4.7 करोड हो गयी है। जिससे यह देखा जा सकता है कि 42वें संविधान संशोधन के तहत न्यायाधिकरणों के निर्माण के उद्देश्यों को पूर्णतः प्राप्त नहीं किया जा सका है।

इसके साथ इसने कई अन्य समस्याओं को भी जन्म दिया है।

- राजनैतिक हस्तक्षेप नियुक्तियों में
- विलंबता ⇓ avg. 3.8 yrs.
- रिक्तियां ⇓ लगभग 50%.

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिख चाहिये। (Candidate must n write on this margi

- विशेषज्ञता की कमी
- कई क्षेत्रों में गठन नहीं।

↓

अधिकतर मामलों में HC/SC में अपील।

↓

प्रक्रिया में औपचारिकता का समावेश। प्राकृतिक न्याय के लक्ष्य को पीछे छोड़ना।

परंतु, कुछ मामलों में Tribunals की भूमिका महत्त्वपूर्ण रही है अतः इसमें सुधार के लिए प्रयास होने चाहिये।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation